RAJ RISHI BHARTRIHARI MATSYA UNIVERSITY, ALWAR

2018-19

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र	:	हिन्दी गद्य (नाटक, निबन्ध एवं आलोचना)
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	आधुनिक काव्य
तृतीय प्रश्न पत्र	:	भाषा विज्ञान
चतुर्थ प्रश्न पत्र	:	विशिष्ट अध्ययन (कोई एक)
पंचम प्रश्न पत्र	:	साहित्यिक निबन्ध

अथवा

लघु शोध प्रबन्ध

(पूर्वार्द्ध में 55 प्रतिशत से अधिक अंक पाने वाले नियमित विद्यार्थियों के लिए)

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक-प्रथम

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र:–हिन्दी गद्य (नाटक निबंध एवं आलोचना)

समय: 3 घण्टे पूर्णांक: 100

इकाई–I:– नाटक

अन्धेर नगरी	– भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
चन्द्रगुप्त	– जयशंकर प्रसाद
कबिरा खड़ा बजार में	– भीष्म साहनी
आधे–अधूरे	– मोहन राकेश

इकाई–II:– निबंध – निर्धारित निबंध – साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है। (बालकृष्ण भट्ट), उत्साह (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल), देवदारु (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी), उत्तराफाल्गुनी के आसपास (कुबेरनाथ राय),

आलोचनात्मक निबंध :– काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल), 'साहित्य का मर्म (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी) प्रसाद और निराला (आचार्य नन्द दुलारे वाजपेयी), रस सिद्धांत के विरुद्ध आक्षेप और उनका समाधान (डॉ. नगेन्द्र)

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ (इकाई एक एवं दो से दो–दो व्याख्याएँ) (आन्तरिक विकल्प देय)	–	10 X 04 = 40
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न (दो प्रश्न नाटकों पर व दो प्रश्न निबंधों पर आधारित होंगे) (आन्तरिक विकल्प देय)	–	10 X 04 = 40
3. (अ) कुल दो लघूत्तरात्मक प्रश्न (विकल्प देय) (उत्तर सीमा 50 शब्द)	–	05 X 02 = 10
(ब) दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न	–	01 X 10 = 10

अनुशंसित ग्रंथ :

1.	आज के रंग नाटक	: गिरीश रस्तोगी
2.	अंधेर नगरी	: सं. गिरीश रस्तोगी, राजकमल प्रकाशन
3.	रंग दर्शन	: नेमीचन्द जैन
4.	हिन्दी निबंध : उद्भव और विकास	: डॉ. ओंकारनाथ शर्मा
5.	श्रेष्ठ हिन्दी निबंधकार	: डॉ. सुरेश गुप्ता
6.	आलोचक की आस्था	: डॉ. नगेन्द्र
7.	आलोचना के आधार स्तम्भ	: संपादक रामेश्वरलाल खण्डेलवाल और डॉ. सुरेशचन्द्र गुप्त
8.	आलोचना और आलोचना	: डॉ. बच्चन सिंह
9.	हिन्दी आलोचना: प्रकृति और परिवेश	: डॉ. तारकनाथ बाली
10.	हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास	: दशरथ ओझा
11.	पहला रंग	: देवेन्द्रराज अंकुर
12.	जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन	: जगन्नाथ शर्मा

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक–प्रथम

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

द्वितीय प्रश्न पत्रः आधुनिक काव्य

समयः 3 घण्टे पूर्णांकः 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. कामायनी : जयशंकर प्रसाद (चिन्ता, लज्जा, श्रद्धा, इडा, आनंद सर्ग)
2. राम की शक्ति पूजा, कुकुरमुत्ता : निराला (राग विराग सं. रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
3. आँगन के पार द्वार : अज्ञेय, भारतीय ज्ञानपीठ ('असाध्यवीणा' कविता)
4. चाँद का मुँह टेढ़ा है : मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ (अंधेरे में कविता)
5. आत्मजयी : कुँवर नारायण

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ (प्रत्येक इकाई एक व्याख्या अपेक्षित है) (आन्तरिक विकल्प देय)	–	10 X 04 = 40
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न (आंतरिक विकल्प देय)	–	10 X 04 = 40
3. (अ) कुल दो लघूत्तरात्मक प्रश्न (विकल्प देय) (उत्तर सीमा 50 शब्द)	–	05 X 02 = 10
(ब) दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न	–	01 X 10 = 10

अनुशंसित ग्रंथ :

1. कामायनी के अध्ययन की समस्याएं : डॉ. नगेन्द्र
2. कामायनी : एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध
3. कामायनी में काव्य, संस्कृति और दर्शन : डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना
4. निराला की साहित्य साधना : डॉ. रामविलास शर्मा
5. निराला : आत्महंता आस्था : दूधनाथ सिंह
6. अज्ञेय : विश्वनाथ तिवारी
7. लम्बी कविताओं का शिल्प विधान : नरेन्द्र मोहन
8. मुक्तिबोध : अशोक चक्रधर
9. समकालीन काव्य यात्रा : नंद किशोर नवल

प्रभारी अधिकारी
शैक्षणिक-प्रथम

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

तृतीय प्रश्न पत्र : भाषा विज्ञान

समयः 3 घण्टे पूर्णांकः 100

पाठ्यक्रम :

प्रथम इकाई :

1. भाषा : अर्थ, महत्त्व, विशेषताएँ, परिवर्तन के कारण
2. भाषा के विविध रूप
3. भाषा विज्ञान से तात्पर्य, ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध
4. भाषा विज्ञान के विविध अंग – मूल अवधारणा एवं सामान्य परिचय, ध्वनि विज्ञान, शब्द विज्ञान, पद विज्ञान एवं वाक्य विज्ञान

द्वितीय इकाई :

1. अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ
2. ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएँ–ध्वनियों का वर्गीकरण
3. हिन्दी ध्वनियाँ – वर्गीकरण एवं उच्चारण व्यवस्था
4. रूप परिवर्तन एवं वाक्य परिवर्तन के कारण और दिशाएँ
5. हिन्दी वाक्य संरचना, भेद एवं विश्लेषण

तृतीय इकाई :

1. भारत के विविध भाषा परिवार – आर्य, द्रविड़, कोल एवं नाग
2. प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्य भाषाएँ–वैदिक, संस्कृत, पालि, प्राकृत, अपभ्रंश, अवहट्ट, पुरानी हिन्दी तथा हिन्दी के विकास में इनका महत्वपूर्ण योगदान
3. आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ – वर्गीकरण
4. हिन्दी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ : सामान्य परिचय
5. राजभाषा हिन्दी : संवैधानिक स्थिति, व्यावहारिक एवं संरचनात्मक कठिनाइयाँ, लोकप्रिय बनाने के उपाय

चतुर्थ इकाई :

1. हिन्दी व्याकरण का इतिहास
2. हिन्दी संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया विशेषण एवं परसर्गों का विकास एवं अनुप्रयोग
3. हिन्दी शब्द समूह एवं वर्गीकरण (स्रोत, रचना एवं व्युत्पत्ति के आधार पर)
4. हिन्दी शब्द निर्माण : संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय

पंचम इकाई :

1. लिपि की परिभाषा
2. लिपि और भाषा का संबंध
3. लिपि के विकास का इतिहासः चित्रलिपि, भावलिपि, ध्वनि लिपि, ब्राह्मी लिपि तथा खरोष्ठी लिपि की विशेषताएँ
4. देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास
5. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ
6. देवनागरी लिपि का मानकीकरण

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक-प्रथम

अंक विभाजन

प्र. 1, 2, 3, 4, 5 प्रत्येक इकाई से एक निबंधात्मक प्रश्न (आन्तरिक विकल्प देय) — 16 X 05 = 80

प्र. 6 दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न — 02 X 10 = 20

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान	: डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद
2. भाषा विज्ञान	: डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
3. भाषा विज्ञान की भूमिका	: देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
4. हिन्दी भाषा का इतिहास	: डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेडेमी
5. हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास	: डॉ. उदयनारायण तिवारी
6. हिन्दी की बोलियाँ एवं उपभाषाए	: डॉ. हरदेव बाहरी
7. भाषा और भाषिकी	: देवीशंकर द्विवेदी
8. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र	: डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
9. राजस्थानी भाषा	: डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी, राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर
10. हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक व्याकरण	: डॉ. गातावदल जायसवाल
11. हिन्दी भाषा और साहित्य	: डॉ. भोलानाथ तिवारी
12. भारत के प्राचीन भाषा परिवार और हिन्दी	: डॉ. रामविलास शर्मा
13. भाषा विज्ञान	: संपादक डॉ. राजमल बोरा, मयूर पेपर बैक्स

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक-प्रथम

एम.ए. (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

चतुर्थ प्रश्न पत्रः–विशिष्ट अध्ययन (कोई एक)

(क) कवि, साहित्यकार

(1) तुलसीदास

समयः 3 घण्टे पूर्णांकः 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. रामचरितमानस : गीताप्रेस, गोरखपुर (उत्तरकांड)
2. विनय पत्रिका : गीताप्रेस, गोरखपुर – पद सं. 155 से 200 तक
3. गीतावली : गीताप्रेस, गोरखपुर
4. कवितावली : गीताप्रेस, गोरखपुर

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ – 10 X 04 = 40
   (प्रत्येक पाठ्य पुस्तक एक व्याख्या)
   (आन्तरिक विकल्प देय)
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न – 10 X 04 = 40
   (प्रत्येक पाठ्य पुस्तक पर एक प्रश्न)
   (आंतरिक विकल्प देय)
3. (अ) कुल दो लघूत्तरात्मक प्रश्न (विकल्प देय) – 05 X 02 = 10
   (उत्तर सीमा 50 शब्द)
   (ब) दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न – 01 X 10 = 10

(लघूत्तरात्मक एवं अति लघूत्तरात्मक प्रश्न कवि, साहित्यकार की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि पर आधारित होंगे)

अनुशंसित ग्रंथ :

गोस्वामी तुलसीदास	: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
तुलसीदास और उनका युग	: राजपति दीक्षित
तुलसीदास	: डॉ. माताप्रसाद गुप्त
तुलसीदास	: रासबिहारी शुक्ल
तुलसीदास	: चन्द्रबली पाण्डेय
रामचरित मानस का काव्यशास्त्रीय अनुशीलन	: डॉ. रामकुमार पाण्डेय
तुलसीदर्शन	: बलदेव प्रसाद मिश्र
तुलसी–काव्य–मीमांसा	: डॉ. उदयभानु सिंह

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक–प्रथम

अथवा

(क) (2) सूरदास

समयः 3 घण्टे पूर्णांकः 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. सूर पंचरत्न : स. लाला भगवानदीन
2. भ्रमरगीत सार : सं. रामचन्द्र शुक्ल – प्रारंभ से 100 पद
3. साहित्य लहरी
4. सूर सारावली

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ – 10 X 04 = 40
   (प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से एक)
   (आन्तरिक विकल्प देय)
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न – 10 X 04 = 40
   (प्रत्येक पाठ्य पुस्तक पर एक)
   (आन्तरिक विकल्प देय)
3. (अ) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न (विकल्प देय) – 05 X 02 = 10
   (उत्तर सीमा 50 शब्द)
   (ब) दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न – 01 X 10 = 10

(लघूतरात्मक व अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न कवि, साहित्यकार की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि पर आधारित होंगे)

अनुशंसित ग्रंथ :

कृष्णदास और सूरदास	: डॉ. प्रेमशंकर
सूरदास	: आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
सूर निर्णय	: प्रभुदयाल मीतल
सूर सौरभ	: डॉ. मुंशीराम शर्मा
सूरदास की काव्य–कला	: डॉ. मनमोहन गोतम
सूर और उनका साहित्य	: डॉ. हरवंशलाल शर्मा
सूरदास	: डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा
सूर साहित्य की भूमिका	: डॉ. रामरतन भटनागर
सूरदास	: आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
सूरदास	: संपादक : हरवंशलाल शर्मा

प्रभारी अधिकारी
पाठ्यक्रम–प्रथम

अथवा

(क) (3) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

समय: 3 घण्टे पूर्णांक: 100

पाठ्य ग्रंथ :

1. निर्धारित कविताएँ – प्रेम माधुरी, प्रेम तरंग, विनय प्रेम, प्रेम पचासा, मानसोपायन, भारत वीरत्व, विजयनी विजय वैजयन्ती, नये ज़माने की मुकरी, प्रात: समीरण, बकरी विलाप और हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान।
2. मुद्रा राक्षस (अनूदित)
3. सत्य हरिश्चन्द्र
4. निर्धारित निबंध – 'भारत वर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है' और 'नाटक' निबंध।

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ (प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से एक) (आन्तरिक विकल्प देय)	–	10 X 04 = 40
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक पाठ्य पुस्तक पर एक) (आन्तरिक विकल्प देय)	–	10 X 04 = 40
3. (अ) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न (विकल्प देय) (उत्तर सीमा 50 शब्द)	–	05 X 02 = 10
(ब) दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न	–	01 X 10 = 10

(लघूत्तरात्मक एवं अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न कवि, साहित्यकार की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि पर आधारित होंगे)

अनुशंसित ग्रंथ :

भारतेन्दु समग्र	: हिन्दी प्रकाशन संस्थान
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	: ब्रजरत्नदास, हिन्दुस्तानी ऐकेडमी, इलाहाबाद
भारतेन्दु कला	: प्रेमनारायण शुक्ल
भारतेन्दु की विचारधारा	: डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की विकास परम्परा	: रामविलास शर्मा
भारतेन्दु की भाषा और शैली	: गोपाल खन्ना
भारतेन्दु ग्रंथावली	: संपादक : ब्रजरत्नदास

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक-ग्रथम

अथवा

(क) (4) जयशंकर प्रसाद

समय: 3 घण्टे पूर्णांक: 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. कामायनी
2. स्कन्दगुप्त
3. काव्यकला तथा अन्य निबंध
4. आकाशदीप (कहानी संग्रह)

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ (प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से एक) (आन्तरिक विकल्प देय)	–	10 X 04 = 40
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक पाठ्य पुस्तक पर एक) (आन्तरिक विकल्प देय)	–	10 X 04 = 40
3. (अ) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न (विकल्प देय) (उत्तर सीमा 50 शब्द)	–	05 X 02 = 10
(ब) दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न (लघूत्तरात्मक एवं अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न कवि, साहित्यकार की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि पर आधारित होंगे)	–	01 X 10 = 10

अनुशंसित ग्रंथ :

प्रसाद के नाटकों का ऐतिहासिक अध्ययन	: डॉ. जगदीश चन्द्र जोशी
जयशंकर प्रसाद	: नन्ददुलारे वाजपेयी
प्रसाद की काव्य–साधना	: रामनाथ सुमन
प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन	: डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
लहर सुधा निधि	: डॉ. मधुर नालती सिंह
प्रसाद साहित्य मे प्रेम तत्व	: प्रभाकर श्रोत्रिय, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
जयशंकर प्रसाद : वस्तु और कला	: डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल
प्रसाद और उनका साहित्य	: विनोद शंकर व्यास
प्रसाद का काव्य	: डॉ. प्रेम शंकर

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक

अथवा

(क) (5) अज्ञेय

समय: 3 घण्टे पूर्णांक: 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. एक बूंद सहसा उछली
2. कितनी नावों में कितनी बार
3. गवन्ती
4. शेखर : एक जीवनी : भाग एक व दो

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ (प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से एक) (आन्तरिक विकल्प देय)	–	10 X 04 = 40
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक पाठ्य पुस्तक पर एक) (आन्तरिक विकल्प देय)	–	10 X 04 = 40
3. (अ) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न (विकल्प देय) (उत्तर सीमा 50 शब्द)	–	05 X 02 = 10
(ब) दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न	–	01 X 10 = 10

(लघूत्तरात्मक एवं अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न कवि, साहित्यकार की जीवनी, परिवेश तथा वैचारिक पृष्ठभूमि पर आधारित होंगे)

अनुशंसित ग्रंथ :

अज्ञेय	: संपादक : विद्या निवास मिश्र
अज्ञेय	: विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
अज्ञेय साहित्य : प्रयोग और मूल्यांकन	: डॉ. केदार शर्मा
अज्ञेय का काव्य : एक पुनर्मूल्यांकन	: शंभुनाथ चतुर्वेदी
अज्ञेय का कथा साहित्य	: ओम प्रभाकर
अज्ञेय के उपन्यास : प्रकृति और प्रस्तुति	: डॉ. केदार शर्मा
शेखर : एक जीवनी : विविध आयाम	: संपादक– रामकमल राय
शेखर : एक जीवनी महत्व	: परमानन्द श्रीवास्तव
शब्द पुरुष अज्ञेय	: नरेश मेहता
अज्ञेय का संसार : शब्द और सत्य	: संपादक – अशोक वाजपेयी

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक-प्रथम

अथवा

(क) (6) प्रेमचन्द

समय: 3 घण्टे पूर्णांक: 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. कुछ विचार (निबंध)
2. मानसरोवर (प्रथम खण्ड)
3. रंगभूमि
4. गबन

अंक विभाजन

1. कुल चार व्याख्याएँ — 10 X 04 = 40
   (प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से एक)
   (आन्तरिक विकल्प देय)
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न — 10 X 04 = 40
   (प्रत्येक पाठ्य पुस्तक पर एक)
   (आन्तरिक विकल्प देय)
3. (अ) दो लघूत्तरात्मक प्रश्न (विकल्प देय) — 05 X 02 = 10
   (उत्तर सीमा 50 शब्द)
   (ब) दस अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न — 01 X 10 = 10

(लघूत्तरात्मक एवं अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न
कवि, साहित्यकार की जीवनी, परिवेश
तथा वैचारिक पृष्ठभूमि पर आधारित होंगे)

अनुशंसित ग्रंथ :

प्रेमचन्द और उनका युग	: डॉ. रामविलास शर्मा
प्रेमचन्द साहित्य कोष	: कमल किशोर गोयनका
कलम का सिपाही	: अमृतराय
विविध प्रसंग	: अमृतराय
कलम का मजदूर	: मदनगोपाल
प्रेमचन्द्र घर में	: शिवरानी
प्रेमचन्द	: संपादक विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
प्रेमचन्द : जीवन और कृतित्व	: हंसराज रहबर
किसान, राष्ट्रीय आंदोलन और प्रेमचन्द	: वीर भारत तलवार
प्रेमचन्द के उपन्यास साहित्य में सांस्कृतिक चेतना	: नित्यानन्द पटेल
प्रेमचन्द : साहित्यिक विवेचन	: नंद दुलारे वाजपेयी
कथाकार प्रेमचन्द	: मन्मथनाथ गुप्त
प्रेमचन्द के साहित्य सिद्धान्त	: नरेन्द्र कोहली
प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प–विधान	: डॉ. कमल किशोर गोयनका
रंगभूमि : नये आयाम	: डॉ. कमल किशोर गोयनका
प्रेमचन्द : विश्वकोश (दो खण्ड)	: डॉ. कमल किशोर गोयनका

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक-प्रथम

अथवा

(ख) भाषाएँ—कोई एक भाषा

(1) उर्दू

समय: 3 घण्टे पूर्णांक: 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. माजामीने वक — बस्त
2. मुसद्दसे हाली — हाली
3. मुकद्दमा — ए — शेरो — शायरी — हाली

अंक विभाजन

1. प्रत्येक पाठ्यपुस्तक मे से एक—एक व्याख्या होगी — 36 अंक
2. प्रत्येक पाठ्यपुस्तक पर एक—एक आलोचनात्मक प्रश्न — 48 अंक
3. उर्दू साहित्य के इतिहास से संबंधित एक प्रश्न — 16 अंक

सभी प्रश्नों के आंतरिक विकल्प देय

अनुशंसित ग्रंथ :

1. तारीखे अदब उर्दू—राम बाबू सक्सेना—अनुवाद मिर्जा मुहम्मद अस्करी (अध्याय 1,2,3 पृष्ठ 1 से 57)
2. उर्दू साहित्य का इतिहास —एजाज हुसैन — अंजुमन तरक्की ए उर्दू, अलीगढ
3. उर्दू साहित्य की झलक — डॉ. फजले इमाम, प्र. राजस्थान प्रकाशन मंदिर, जयपुर

प्रभारी अधिकारी

अथवा

(ख) (2) गुजराती

समय: 3 घण्टे पूर्णांक: 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. गुजरात नौ नाथ – कन्हैयालाल माणिक्यलाल मुंशी
2. ओतराती दीवालो – काका कालेलकर
3. पारिजात (पारीजात) – पूजालाल

अंक विभाजन

1. व्याख्या या रूपान्तरण के लिए तीन अवतरण, प्रत्येक पुस्तक से एक–एक – 9 x 4 = 36 अंक
2. प्रत्येक पुस्तक पर आधारित एक–एक समीक्षात्मक एवं एक प्रश्न गुजराती व्याकरण या इतिहास से संबंधित। सभी प्रश्नो के आंतरिक विकल्प देय। – 16 x 4 = 64 अंक

प्रभारी अधिकारी

अथवा

(ग) आधारभूत भाषाएँ (कोई एक भाषा)

(1) संस्कृत

समय: 3 घण्टे

पूर्णांक: 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. किरातार्जुनीयम – भारवि (प्रथम सर्ग)
2. अभिज्ञान शाकुन्तलम – प्रथम चार अंक – कालिदास
3. कादम्बरी कथा मुखम् – बाणभट्ट

व्याकरण :

1. व्याकरण प्रवेशिका – डॉ. बाबूराम सक्सेना
2. संस्कृत रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

अंक विभाजन

1. एक प्रश्न व्याख्याओं या रूपान्तरों से संबंधित होगा। अभिज्ञान शाकुन्तलम से दो तथा शेष पुस्तकों में से एक-एक व्याख्या या रूपान्तर पूछा जायेगा। – 28 अंक
2. प्रत्येक पुस्तक से संबंधित एक-एक समीक्षात्मक प्रश्न होगा एवं एक प्रश्न व्याकरण से संबंधित होगा। सभी प्रश्नों के आंतरिक विकल्प देय – 72 अंक

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक-प्रथम

अथवा

(ग) (2) पालि भाषा

समय: 3 घण्टे

पूर्णांक: 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. पालिजातकावली – बटुकनाथ शर्मा
2. धम्मपद – प्रथम दश वग्ग

व्याकरण :

1. पालि प्रबोध – आद्यादत्त ठाकुर, गंगा पुस्तक माला, लखनऊ
2. ए मैनुअल ऑफ पालि – सी.बी. जोशी, ओरियन्ट बुक एजेन्सी, पूना।
3. पालि व्याकरण – भिक्षुधर्मरक्षित

इतिहास :

1. पालि साहित्य का इतिहास – भरत सिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
2. पालि भाषा और साहित्य – डॉ. इन्दु चन्द्र शास्त्री, प्र. हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

अंक विभाजन :

चार व्याख्यायें अथवा चार अनुवाद, प्रत्येक पुस्तक से दो–दो अवतरण व्याख्या अथवा अनुवाद के लिए चुने जायेंगे।	28 अंक
दो प्रश्न पाठ्य पुस्तकों पर	36 अंक
पालि साहित्य के इतिहास से संबंधित एक प्रश्न	18 अंक
एक प्रश्न व्याकरण से संबंधित होगा	18 अंक

सभी प्रश्नों के आंतरिक विकल्प देय।

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक–प्रथम

अथवा

(ग) (2) पालि भाषा

समय: 3 घण्टे

पूर्णांक: 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. पालिजातकावली – बटुकनाथ शर्मा
2. धम्मपद – प्रथम दश वग्ग

व्याकरण :

1. पालि प्रबोध – आद्यादत्त ठाकुर, गंगा पुस्तक माला, लखनऊ
2. ए मैनुअल ऑफ पालि – सी.बी. जोशी, ओरियन्ट बुक एजेन्सी, पूना।
3. पालि व्याकरण – भिक्षुधर्मरक्षित

इतिहास :

1. पालि साहित्य का इतिहास – भरत सिंह उपाध्याय, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
2. पालि भाषा और साहित्य – डॉ. इन्दु चन्द्र शास्त्री, प्र. हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

अंक विभाजन :

चार व्याख्यायें अथवा चार अनुवाद, प्रत्येक पुस्तक से दो–दो अवतरण व्याख्या अथवा अनुवाद के लिए चुने जायेंगे।	28 अंक
दो प्रश्न पाठ्य पुस्तकों पर	36 अंक
पालि साहित्य के इतिहास से संबंधित एक प्रश्न	18 अंक
एक प्रश्न व्याकरण से संबंधित होगा	18 अंक

सभी प्रश्नों के आंतरिक विकल्प देय।

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक–प्रथम

अथवा

(ग) (3) प्राकृत

समय: 3 घण्टे

पूर्णांक: 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. पाइयगज्ज संग्रहो – (कथा 3,5,6,7,9 व 13) सं. डॉ. राजाराम जैन, प्राच्य भारती प्रकाशन, आरा (बिहार)
2. बज्जालग्ग में जीवन मूल्य – सं. डॉ. कमल चन्द सौगाणी, प्र. प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर।
3. समणसुत्त चयनिका – सं. डॉ. कमल चन्द सौगाणी, प्र. प्राकृत भारती अकादमी, जयपुर प्रारम्भ की 100 गाथाएँ।

अंक विभाजन

1.	चार व्याख्याएँ – 'पाइयगज्ज संग्रहो से दो, 'बज्जालग्ग' से एक और 'समणसुत्त' से एक	28 अंक
2.	एक समीक्षात्मक प्रश्न 'पाइयगज्ज संग्रहो से	18 अंक
3.	एक समीक्षात्मक प्रश्न 'बज्जालग्ग' अथवा 'समणसुत्त चयनिका से	18 अंक
4.	एक प्रश्न प्राकृत साहित्य के इतिहास से संबंधित साहित्य का उद्भव और विकास	18 अंक
5.	एक प्रश्न प्राकृत भाषा और व्याकरण से संबंधित प्राकृत भाषा का उद्भव और विकास, प्राकृत भाषा के विविध रूप और उनकी क्षेत्रीय विशेषताएं, व्याकरण संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया और क्रिया विशेषण	18 अंक

अनुशंसित ग्रंथ :

प्राकृत साहित्य का इतिहास	: डॉ. जगदीश चन्द्र जैन, प्र. चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी।
प्राकृत भाषा एवं साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	: डॉ. नेमीचन्द शास्त्री, प्र. तारा पब्लिकेशन, वाराणसी।
प्राकृत जैन कथा साहित्य	: डॉ. जे.सी.जैन, प्र. लाल भाई दलपत भाई भारतीय संस्कृति विद्या मंदिर अहमदाबाद।
प्राकृत दीपिका	: डॉ. सुदर्शनलाल जैन, प्र.पी.बी. रिसर्च इन्स्टीट्यूट, वाराणसी।
प्राकृत मार्गोपदेशिका	: श्री बेचरदास जीवराजे दोशी, प्र. मोतीलाल बनारसी दास दिल्ली।
हेमचन्द्र प्राकृत व्याकरण भाग 1,2 व्याख्याता	: श्री प्यारेचन्द जी प्र. श्री जैन दिवाकर दिव्य ज्योति कार्यालय, ब्यावर।
अभिनव प्राकृत व्याकरण	: डॉ. नेमीचन्द शास्त्री, प्र. तारा पब्लिकेशन्स वाराणसी।
प्राकृत प्रबोध	: सं. डॉ. नेमीचन्द जैन
बज्जलग्ग	: सं. माधव वासुदेव पटवर्धन प्राकृत ट्रेक्ट्स सोसायटी, अहमदाबाद।

प्रभारी अधिकारी
शिक्षक-प्रशिक्षण

अथवा

(ग) (4) अपभ्रंश

समय: 3 घण्टे पूर्णांक: 100

पाठ्यक्रम :

1.	संरहपा	: प्रारंभ से 12 दोहे
2.	स्वयंभू	: सम्पूर्ण
3.	अब्दुर्रहमान	: प्रारंभ से 16 छंद
4.	हेमचन्द्र सूरि	: प्रारंभ से 20 दोहे
5.	विनयचन्द्र सूरि	: सम्पूर्ण
6.	विद्यापति	: कीर्तिलता (प्रथम तथा द्वितीय पल्लव)
7.	अपभ्रंश व्याकरण	: अपभ्रंश रचना सौरभ, लेखक – डॉ. कमल चन्द सोगाणी अपभ्रंश अकादमी, जयपुर

नोट: 1 से 5 तक पाठ्यांश 'अपभ्रंश और अवहट्ट : एक अन्तर्यात्रा' – डॉ. शंभुनाथ पाण्डेय, पुस्तक से निर्धारित हैं।

अंक विभाजन :

1. चार व्याख्याएँ – 10 x 04 = 40 अंक
   सभी कवियों से व्याख्याएँ अपेक्षित हैं
2. चार आलोचनात्मक प्रश्न – 15 x 04 = 60 अंक
   तीन आलोचनात्मक प्रश्न पाठ्यांशों से पूछे जायेंगे।
   एक प्रश्न व्याकरण का होगा। (व्याख्या तथा सभी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प देय)

अनुशंसित ग्रंथ :

हिन्दी काव्यधारा	: राहुल सांकृत्यायन
अपभ्रंश काव्य सौरभ	: अपभ्रंश अकादमी, जयपुर
अपभ्रंश रचना सौरभ	: अपभ्रंश अकादमी, जयपुर
अपभ्रंश अभ्यास सौरभ	: अपभ्रंश अकादमी, जयपुर
अपभ्रंश और अवहट्ट	: एक अन्तर्यात्रा, डॉ. शम्भुनाथ पाण्डेय
हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान	: डॉ. नामवर सिंह
अपभ्रंश साहित्य	: डॉ. हरिवंश कोछड भारतीय साहित्य मंदिर दिल्ली।
अपभ्रंश भाषा का अध्ययन	: डॉ. वीरेन्द्र श्रीवास्तव, एस चांद क., दिल्ली।
अपभ्रंश और अवहट्ट : एक अन्तर्यात्रा	: शम्भूनाथ पाण्डेय।

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक-प्रथम

अथवा

(ग) (5) राजस्थानी भाषा

समय: 3 घण्टे पूर्णांक: 100

पाठ्यांश :

क. राजस्थानी भाषा :

1. भारतीय भाषाओं में राजस्थानी का महत्व, राजस्थानी की प्रमुख विशेषताएं एवं प्रमुख बोलियाँ।
2. राजस्थानी भाषा का इतिहास।

ख. राजस्थानी साहित्य :

1. राजस्थानी गद्य एवं पद्य – गद्य और पद्य में निर्धारित पाठ्य ग्रंथ

गद्य : 1. राजस्थानी गद्य चयनिका सं. ब्रजनारायण पुरोहित, प्र. श्याम प्रकाशन, जयपुर।
2. अचलदास खींची री वचनिका – संपादक भूपतिराम साकरिया, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।

पद्य : 1. वेलि क्रिसन रुक्मणी री : पृथ्वीराज राठौड़ सं. नरोत्तमदास स्वामी – श्रीराम मेहरा एण्ड कम्पनी, आगरा (प्रारंभ के 225 छंद वसन्त वर्णन से पूर्व तक)
2. राजस्थानी रसधारा – डॉ. शम्भूसिंह मनोहर, श्याम प्रकाशन, जयपुर।

अंक विभाजन

कुल चार व्याख्याएँ

1.	गद्य व पद्य की प्रत्येक पुस्तक से एक–एक व्याख्या होगी	7 x 4 = 28 अंक
2.	राजस्थानी भाषा की विशेषता, व्याकरण अथवा भाषा के इतिहास से संबंधित एक प्रश्न	16 अंक
3.	राजस्थानी गद्य साहित्य चयनिका अथवा वचनिका से संबन्धित एक समीक्षात्मक प्रश्न	16 अंक
4.	राजस्थानी पद्य साहित्य वेलि अथवा रसधारा से संबंधित एक समीक्षात्मक प्रश्न	16 अंक
5.	राजस्थानी साहित्य के इतिहास से संबंधित दो टिप्पणियां (आन्तरिक विकल्प देय, शब्द सीमा 300 शब्द प्रति टिप्पणी) (पांचवाँ प्रश्न टिप्पणीपरक होगा जिसमें दो टिप्पणियां 12–12 अंक अर्थात् कुल 24 अंक की पूछी जायेगी। इस टिप्पणीपरक प्रश्न में गद्य एवं पद्य के इतिहास से संबंधित टिप्पणियां होगी। (आन्तरिक विकल्प देय, शब्द सीमा 300 शब्द होगी।)	12 x 02 = 24 अंक

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक-प्रथम

अनुशंसित ग्रंथ :

राजस्थानी भाषा – डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी – राजस्थानी साहित्य शोध संस्थान, उदयपुर।
पुरानी राजस्थानी – डॉ. तेसीतोरी (अनु. डॉ. नामवरसिंह) नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
राजस्थानी व्याकरण – लेखक एवं प्रकाशक – सीताराम लालस, जोधपुर।
संक्षिप्त राजस्थानी व्याकरण – नरोत्तमदास स्वामी –सार्दुल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर।
राजस्थानी भाषा और साहित्य – डॉ. मोतीलाल मेनारिया – हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।
राजस्थान का भाषा सर्वेक्षण – ग्रियर्सन, अनु. डॉ. आत्माराम जाजोरिया, राजस्थान भाषा प्रचार सभा, जयपुर।
राजस्थानी हिन्दी कोष भाग 2 – डॉ. भूपतिराम साकरिया तथा बद्री प्रसाद साकरिया – प्रकाशक, पंचशील प्रकाशन, जयपुर।
ढोला मारू रा दूहा – एक अध्ययन – डॉ. कृष्णबिहारी सहल – आत्माराम एण्ड सन्स, दिल्ली।
रूकमणी हरण सायंजी झूलाकृत – विश्लेषण एवं मूल्याकन, श्रीमती ऊषा शर्मा – ऊषा पब्लिसिंग हाऊस, जोधपुर।
राजस्थानी गद्य उद्भव और विकास – सं. डॉ. शिवस्वरूप शर्मा, 'अचल' सार्दुल राजस्थानी रिसर्च इन्स्टीट्यूट, बीकानेर।
सांस्कृतिक राजस्थान भाग एक – प्र. अखिल भारतवर्षीय मारवाडी सम्मेलन, हरीसन रोड कलकत्ता।
आधुनिक राजस्थानी साहित्य – प्रेरणास्रोत और प्रवृतियाँ, डॉ. किरण नाहटा।
राजस्थानी शोध निबंध – डॉ. शम्भूसिंह मनोहर।

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक-प्रथम

अथवा

(घ) कोई एक विधा

(1) हिन्दी नाटक और रंगमंच

समय: 3 घण्टे पूर्णांक: 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. नीलदेवी	–	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
2. अजात शत्रु	–	जयशंकर प्रसाद
3. अंधा युग	–	धर्मवीर भारती
4. लहरों के राजहंस	–	मोहन राकेश
5. एक और द्रोणाचार्य	–	शंकर शेष

अंक विभाजन :

1. चार व्याख्याएँ : (प्रत्येक पुस्तक से एक व्याख्या पूछा जाना अपेक्षित है) 10 x 4 = 40 अंक
(आंतरिक विकल्प देय)
2. चार समीक्षात्मक प्रश्न : (प्रत्येक नाटक से एक प्रश्न पूछा जाना अपेक्षित है) 15 x 4 = 60 अंक
(आन्तरिक विकल्प देय)

अनुशंसित ग्रंथ :

भरत नाट्य शास्त्र	– चौखम्बा सीरीज, बनारस अथवा कोई भी अनुवाद
दशरूपक, धनंजय	– चौखम्बा सीरीज, बनारस या हिन्दी अनुवाद
नाट्यदर्पण	– रामचन्द्र गुणचन्द्र नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
हिन्दी नाटक सिद्धान्त और विवेचना	– डॉ. गिरीश रस्तोगी, रामबाग कानपुर।
रंगदर्शन	– नेमीचन्द्र जैन
रंगमंच	– बलवन्त गार्गी
हिन्दी रंगमंच का इतिहास	– डॉ. चन्दुलाल दुबे, जवाहर पुस्तक मंदिर मथुरा।
हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास	– डॉ. दशरथ ओझा।

प्रभारी अधिकारी
प्राथमिक-प्रथम

अथवा

(घ) (2) हिन्दी उपन्यास

समय: 3 घण्टे पूर्णांक: 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. मुझे चाँद चाहिए – सुरेन्द्र वर्मा
2. शेखर एक जीवनी – भाग 1, भाग 2 : अज्ञेय
3. नीला चाँद – शिवप्रसाद सिंह
4. कथा सतीसर – चन्द्रकान्ता

अंक विभाजन

1. प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से एक–एक व्याख्या कुल चार व्याख्याएँ 10 x 04 = 40 अंक
2. चार समीक्षात्मक प्रश्न प्रत्येक पाठ्यपुस्तक पर एक (आन्तरिक विकल्प देय) 15 x 04 = 60 अंक

अनुशंसित ग्रंथ :

हिन्दी उपन्यास	: डॉ. सुषमा धवन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
हिन्दी उपन्यास	: एक अन्तर्यात्रा : रामदरश मिश्र
हिन्दी उपन्यास कोष	: गोपालराय
उपन्यास का जन्म	: परमानन्द श्रीवास्तव
हिन्दी उपन्यास : प्रयोग के चरण	: राजमल बोरा
साठोत्तरी हिन्दी उपन्यासों में युवा का स्वरूप	: डॉ. विमला सिंह, कला प्रकाशन, वाराणसी
आज का हिन्दी उपन्यास	: डॉ. इन्द्रनाथ मदान
हिन्दी उपन्यास का स्वरूप	: डॉ. शशिभूषण सिंहल
अधूरे साक्षात्कार	: नेमीचन्द्र जैन
प्रतिनिधि उपन्यास, भाग एक, भाग दो	: डॉ. यश गुलाटी, हरियाणा साहित्य एकेडेमी, चण्डीगढ़

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक–प्रथम

अथवा

(घ) (3) समकालीन हिन्दी कविता

समय: 3 घण्टे पूर्णांक: 100

पाठ्यक्रम :

ऋतुराज :

1. भूख
2. चुनो उन्हें जो तुम्हें चला सकें
3. लड़ाई
4. एक कटे पेड़ की कहानी
5. गरीब लोग
6. क्या कुछ कविता बचेगी

नंद किशोर आचार्य :

1. अब यदि चलने भी लगे
2. घरौंदा
3. मरुथली का सपना
4. जल की याद
5. यहाँ भी वसंत

सर्वेश्वर दयाल सक्सेना :

1. अहं से बड़ी हो तुम
2. अब नदियाँ नहीं सूखेंगी
3. जब–जब सिर उठाया
4. लीक पर वे चलें
5. यहीं–कहीं एक कच्ची सड़क थी

वेणु गोपाल :

1. वे साथ होते है
2. चट्टानों का जलगीत
3. हवाएं चुप नहीं रहतीं
4. ब्लैक मेलर
5. यह तो युद्ध है

अंक विभाजन :

1. प्रत्येक इकाई से एक–एक व्याख्या –कुल चार व्याख्याएं (आंतरिक विकल्प देय) (10 x 04 = 40 अंक)
2. चार समीक्षात्मक प्रश्न। प्रत्येक कवि से प्रश्न पूछे जाये (आंतरिक विकल्प देय) (15 x 04 = 60 अंक)

अनुशंसित ग्रंथ :

शुद्ध कविता की खोज	: रामधारी सिंह दिनकर
प्रगतिशील काव्य धारा और केदारनाथ अग्रवाल	: डॉ. रामविलास शर्मा
राजस्थान का हिन्दी साहित्य	: साहित्य एकेडेमी, उदयपुर
राजस्थान की हिन्दी कविता	: संपादक प्रकाश आतुर
नयी कविताएं : एक साक्ष्य	: रामस्वरूप चतुर्वेदी
फिलहाल	: अशोक वाजपेयी
नये प्रतिमान पुराने निकष	: लक्ष्मीकांत वर्मा
कवितान्तर	: डॉ. जगदीश गुप्त

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक–प्रथम

अथवा

(घ) (4) हिन्दी कहानी

समय: 3 घण्टे पूर्णांक: 100

पाठ्य पुस्तक :

एक दुनिया समानान्तर – राजेन्द्र यादव (सभी कहानियाँ)

अंक विभाजन :

1. कुल चार व्याख्याएँ। (आंतरिक विकल्प देय) 10 x 4 = 40 अंक
2. कुल चार आलोचनात्मक प्रश्न 15 x 4 = 60 अंक
   पाठ्यक्रम की कहानियों के अतिरिक्त 'कहानी : उद्भव और विकास' तथा विविध कहानी आंदोलनों पर भी प्रश्न पूछे जायेंगे। आन्तरिक विकल्प देय।

अनुशंसित ग्रंथ :

हिन्दी कहानी की शिल्प–विधि का विकास	: डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल
हिन्दी कहानी : स्वरूप और संवेदना	: राजेन्द्र यादव
नयी कहानी की भूमिका	: कमलेश्वर
कहानी : नयी कहानी	: डॉ. नामवर सिंह
आधुनिक कहानी का परिपार्श्व	: डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास	: डॉ. सुरेश सिन्हा
नयी कहानी : पुनर्विचार	: मधुरेश, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
हिन्दी कहानी : आठवां दशक	: मधुर उप्रेती
हिन्दी के प्रतिनिधि कहानीकार	: डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना

प्रभारी अधिकारी
...मिक-प्रथम

अथवा

(घ) (5) लोक साहित्य

समय: 3 घण्टे पूर्णांक: 100

पाठ्यक्रम :

1. लोक साहित्य के सामान्य सिद्धान्त – लोक साहित्य का अर्थ, परिभाषा, तत्व, प्रकार, क्षेत्र, महत्व, लोक और साहित्य का संबंध, लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य, लोक मानस की अवधारणा, लोक साहित्य और अन्य विषयों से संबंध। लोक साहित्य कला या विज्ञान।
2. लोक गीत–अर्थ, परिभाषा, महत्व, वर्गीकरण, तत्व, लोकगीत और साहित्यिक गीत, प्रमुख लोकगीत– राजस्थान और ब्रज प्रदेश से संबंधित, लोकगीतों में अभिव्यक्त जीवन और संस्कृति, रचना–प्रक्रिया, शिल्प विधान।
3. लोकगाथा और लोककथा – अर्थ, परिभाषा, तत्व, महत्व, प्रकार, प्रमुख लोकगाथाएं व लोककथाएं, राजस्थान और ब्रज प्रदेश से संबंधित, लोकगाथाओं व लोककथाओं में अभिव्यक्त जीवन और संस्कृति, रचना–प्रक्रिया, शिल्प विधान।
4. लोक नाट्य–अर्थ, परिभाषा, तत्व, महत्व, प्रकार, राजस्थान और ब्रज प्रदेश से संबंधित प्रमुख लोक नाट्य, लोक रंगमंच, रंग विधान, लोक नाट्यों में अभिव्यक्त जीवन और संस्कृति, शिल्प विधान।
5. (क) लोकोक्ति, मुहावरे और पहेलियाँ – अर्थ, परिभाषा, महत्व, प्रकार, अभिव्यक्त लोक जीवन और संस्कृति।
   (ख) लोक साहित्य के संकलन का कार्य, प्रविधि और कठिनाइयाँ, लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएं, प्रमुख लोक साहित्य सेवी और उनकी देन।

अंक विभाजन

1. प्रथम चार इकाईयों से एक–एक प्रश्न। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का — 20 x 04 = 80 अंक
2. पाँचवी इकाई 'क' और 'ख' दो भागों से विभक्त है। — 10 x 02 = 20 अंक
   दोनों भागों से एक–एक प्रश्न प्रत्येक 10 अंको का।
   (आंतरिक विकल्प देय)

अनुशंसित ग्रंथ :

लोक साहित्य विज्ञान	: डॉ. सत्येन्द्र
लोक साहित्य सिद्धान्त और अध्ययन	: डॉ. श्रीराम शर्मा
लोक साहित्य की भूमिका	: डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
राजस्थानी लोक साहित्य	: श्री नानूराम संस्कर्ता
ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन	: डॉ. सत्येन्द्र
राजस्थानी लोक गीत भाग 1,2	: डॉ. स्वर्णलता अग्रवाल
राजस्थानी लोक गाथाएं	: डॉ. कृष्ण कुमार शर्मा
राजस्थानी बाल साहित्य एक अध्ययन	: डॉ. मनोहर शर्मा
राजस्थानी कहावतें, एक अध्ययन	: डॉ. कन्हैयालाल सहल

ब्रज और बुंदेली लोकगीतों का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. शालिगराम गुप्त

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक–प्रथम

अथवा

(घ) (6) हिन्दी पत्रकारिता : सिद्धान्त और व्यवहार

समय: 3 घण्टे पूर्णांक: 100

पाठ्यक्रम :

1. पत्रकारिता : सिद्धान्त एवं स्वरूप :

(i) पत्रकारिता का अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र, महत्व और प्रभाव।

(ii) पत्रकारिता और साहित्य, साहित्य सृजन के विविध आंदोलनों के विकास में पत्र–पत्रिकाओं का योगदान। पत्रकारिता और रचना–धर्मिता। पत्रकार के गुण और दोष, कर्त्तव्य आधुनिक युग में पत्रकारिता का महत्व।

(iii) हिन्दी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास

2. प्रेस कानून:–

(i) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, लोकतांत्रिक परम्पराएं, मौलिक अधिकार और साहित्य से सम्बद्धता, स्वतंत्र प्रेस की अवधारणा।

(ii) प्रमुख प्रेस कानून, मानहानि, न्यायालय की अवमानना, कॉपीराइट एक्ट 1957, प्रेस एव पुस्तक पजीकरण अधिनियम 1867, श्रम जीवी पत्रकार कानून 1955, प्रेस कॉसिल अधिनियम 1973, औषधि और चमत्कारिक उपचार (क्षेत्रीय विधान) अधिनियम 1954, भारतीय सरकारी गोपनीयता कानून 1923, युवकों के लिए हानिप्रद प्रकाशन कानून, 1956, संसदीय विशेषाधिकार।

3. **समाचार लेखन एवं प्रस्तुतीकरण :–** समाचार एवं उनके विविध प्रकार, समाचार सरंचना, संवाददाता, उनके कर्तव्य एवं दायित्व, समाचार प्रेषण–विविध प्रणालियाँ।

4. **समाचार संपादन कला–** संपादक विभाग की सरंचना, समाचार चयन, शीर्षक, लेखन, पृष्ठसज्जा, स्तम्भ–लेखन, पुस्तक समीक्षा, फीचर–लेखन।

5. **दृश्य :–** श्रव्य संचार माध्यम: जन संचार के प्रमुख माध्यम, भारत में आकाशवाणी व दूरदर्शन का उद्‌भव और विकास, महत्व और प्रभाव।

अंक विभाजन :

प्रत्येक खण्ड से सबधित एक प्रश्न होगा। कुल पाँच प्रश्न होगें। प्रत्येक प्रश्न के 20 अंक होंगे।
आंतरिक विकल्प देय

अनुशंसित ग्रंथ :

जन माध्यम और हिन्दी पत्रकारिता भाग 1,2	: प्रवीण दीक्षित, सहयोग साहित्य संस्थान, कानपुर।
समाचार पत्रों का इतिहास	: अम्बिका प्रसाद वाजपेयी, ज्ञानमण्डल, बनारस।
हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम	: डॉ. वेदप्रताप वैदिक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
हिन्दी पत्रकारिता	: डॉ. कृष्ण बिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन दिल्ली।
प्रेस विधि	: डॉ. नन्दकिशोर त्रिखा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
भारत में प्रेस विधि	: डॉ. सुरेन्द्रनाथ शर्मा, डॉ. मनोहर प्रभाकर, गतिमान प्रकाशन
संवाद और संवाददाता	: राजेन्द्र, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ
समाचार संकलन और लेखन	: डॉ. नन्दकिशोर त्रिखा हिन्दी समिति, लखनऊ
संवाददाता – सत्ता और महत्व	: हेरम्ब मिश्र, किताब महल, इलाहाबाद
समाचार संपादन	: प्रेमनाथ चतुर्वेदी, ऐकेडमिक बुक्स, दिल्ली
संपादन कला	: के.पी. नारायण, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल
आकाशवाणी	: रामबिहारी विश्वकर्मा, प्रकाशन विभाग, दिल्ली
फीचर लेखन	: प्रेमनाथ चतुर्वेदी, प्रकाशन विभाग दिल्ली।

प्रभारी अधिकारी

अथवा

(घ) (7) दलित साहित्य

समय: 3 घण्टे पूर्णांक: 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. जूठन– ओम प्रकाश वाल्मीकि
2. दलित कहानी संचयन : सं. रमणिका गुप्ता (हिन्दी कहानियां मात्र)
3. वर्ग व्यवस्था और शूद्र, सामंतवादी समाज में जाति व्यवस्था, शूद्र वर्ग में जातियां और स्तर भेद, स्वतंत्रता संग्राम और दलित प्रश्न, अंबेडकर के सार्थक प्रयास और दलित वर्ग में जागरण, आधुनिकता के प्रश्न और दलित। भारतीय संविधान में दलितों के अधिकार, दलित मध्यवर्ग का उभार, दलित स्त्रिया, दलित नवजागरण।
4. भारतीय भाषाओं में दलित साहित्य, दलित और भक्ति–आन्दोलन, दलित साहित्य का वैकल्पिक सौन्दर्यशास्त्र, दलित साहित्य में सहानुभूति बनाम स्वानुभूति, प्रेमचंद और निराला का दलित समाज सबधी साहित्य।

अंक विभाजन :

1. प्रथम दो खण्ड से दो–दो व्याख्याएं पूछी जायेगी। (आतरिक विकल्प देय) 10 x 04 = 40 अंक
2. सभी चारों खण्डों से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेगे। (आतरिक विकल्प देय) 15 x 04 = 60 अंक

अनुशंसित ग्रंथ :

दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र : ओग प्रकाश वाल्मीकि
युद्धरत आम आदमी : सं. रमणिका गुप्ता (पत्रिका) दलित अंक
दलित साहित्य : अंक 2002, अंक 2003 सं. जयप्रकाश कर्दम
हरिजन से दलित : सं. राजकिशोर, वाणी प्रकाशन
आधुनिकता के आइने में दलित : सं. अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन
वसुधा (पत्रिका) 58वां अंक, मध्य प्रदेश प्रगतिशील लेखक संघ
दलित और अश्वेत साहित्य : कुछ विचार, : सं. चमन लाल, भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक–प्रथम

अथवा

(घ) (8) स्त्री लेखन और विमर्श

समयः 3 घण्टे

पूर्णांकः 100

पाठ्य पुस्तकें :

1. चित्तकोबरा – मृदुला गर्ग
2. संग सार – नासिरा शर्मा (कहानी संग्रह)
3. कस्तूरी कुंडल बसै – मैत्रेयी पुष्पा (आत्मकथा)
4. स्त्री उपनिवेश – प्रभा खेतान (निबंध)

अंक विभाजन :

1. कुल चार व्याख्याएँ प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से एक व्याख्या (आन्तरिक विकल्प देय)	10 x 04 = 40 अंक
2. चार समीक्षात्मक प्रश्न–प्रत्येक पाठ्य पुस्तक प्रश्न से एक (आन्तरिक विकल्प देय)	15 x 04 = 60 अंक

अनुशंसित ग्रंथ :

स्त्री पुरुष : कुछ पुनर्विचार	: राजशेखर, वाणी प्रकाशन
आदमी की निगाह में औरत	: राजेन्द्र यादव
औरत अस्मिता और संवेदन	: अरविन्द जैन
परिधि पर स्त्री	: मृणाल पांडे
नारीवादी विमर्श	: राकेश कुमार आधार प्रकाशन
दुर्ग द्वार पर दस्तक	: कात्यायनी
भारतीय समाज में नारी	: नीरा देसाई

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक–प्रथम

अथवा

(घ) (9) अनूदित साहित्य

समय: 3 घण्टे पूर्णांक: 100

पाठ्यांश :

1. चित्र प्रिया – अखिलन, ज्ञानपीठ प्रकाशन
2. निशीथ – उमाशंकर जोशी
3. समकालीन मराठी कहानियाँ: डॉ. चन्द्रकांत बांदिवडेकर

अंक विभाजन

1. प्रत्येक पुस्तक से एक व्याख्या	10 x 03 = 30 अंक
2. तीनो पुस्तकों से कुल तीन आलोचनात्मक प्रश्न	12 x 03 = 36 अंक
3. दो टिप्पणियाँ	10 x 02 = 20 अंक
4. अनुवाद – प्रक्रिया से संबंधित एक प्रश्न	14 x 01 = 14 अंक

प्रभारी अधिकारी

एम.ए (उत्तरार्द्ध) हिन्दी

पंचम प्रश्न पत्र : साहित्यिक निबंध

समय: 3 घण्टे पूर्णांक: 100

पाठ्यक्रम :

हिन्दी साहित्य का इतिहास, हिन्दी भाषा तथा लिपि, साहित्यालोचन, काव्यशास्त्र, साहित्य के विभिन्न वाद, हिन्दी साहित्य की विभिन्न विधाएँ, विशिष्ट कवि/साहित्यकार

उपर्युक्त विषयों पर आधारित 10 निबंध दिये जायेंगे जिनमें से विद्यार्थी को किसी एक विषय पर निबंध लेखन करना होगा।

अथवा

लघु शोध प्रबंध

(पूर्वार्द्ध में 55 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले नियमित विद्यार्थियों के लिए)

प्रभारी अधिकारी
अकादमिक-प्रथम